

# रसायन

## भाग 2

कक्षा 11 के लिए पाठ्यपुस्तक



11085



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्  
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

## 11085 – रसायन भाग 2

कक्षा 11 के लिए पाठ्यपुस्तक

ISBN 81-7450-516-4 (भाग 1)

ISBN 81-7450-584-9 (भाग 2)

### प्रथम संस्करण

मार्च 2006 चैत्र 1927

### पुनर्मुद्रण

नवंबर 2007 कार्तिक 1929

मार्च 2009 फाल्गुन 1930

दिसंबर 2009 अग्रहायण 1931

जून 2011 ज्येष्ठ 1933

जनवरी 2012 माघ 1933

जनवरी 2013 माघ 1934

जनवरी 2014 पौष 1935

दिसंबर 2014 पौष 1936

दिसंबर 2015 अग्रहायण 1937

मार्च 2017 फाल्गुन 1938

जनवरी 2018 माघ 1939

दिसंबर 2018 अग्रहायण 1940

सितंबर 2019 भाद्रपद 1941

मार्च 2021 फाल्गुन 1942 (NTR)

### PD NTR RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2006

₹ 120.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा .....

..... द्वारा मुद्रित।

### सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की विक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। खंड की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

### एन सी ई आर टी के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

|                                                                                        |                    |
|----------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|
| एन.सी.ई.आर.टी. कैपस<br>श्री अरविंद मार्ग<br>नयी दिल्ली 110 016                         | फोन : 011-26562708 |
| 108, 100 फोट रोड<br>हेली एक्सटेंशन, होस्टेले<br>बनाशकरी III इस्टेज<br>बैंगलूरु 560 085 | फोन : 080-26725740 |
| नवजीवन ट्रस्ट भवन<br>डाकघर नवजीवन<br>अहमदाबाद 380 014                                  | फोन : 079-27541446 |
| सी.डब्ल्यू.सी. कैपस<br>निकट: धनकल बस स्टॉप पानिहटी<br>कोलकाता 700 114                  | फोन : 033-25530454 |
| सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स<br>मालीगांव<br>गुवाहाटी 781021                              | फोन : 0361-2674869 |

### प्रकाशन सहयोग

|                                    |   |                   |
|------------------------------------|---|-------------------|
| अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग            | : | अनूप कुमार राजपूत |
| मुख्य संपादक                       | : | श्वेता उप्पल      |
| मुख्य उत्पादन अधिकारी              | : | अरुण चितकारा      |
| मुख्य व्यापार प्रबंधक<br>(प्रभारी) | : | विपिन दिवान       |
| संपादक                             | : | रेखा अग्रवाल      |
| उत्पादन सहायक                      | : | .....             |

### आवरण

श्वेता राव

### चित्रांकन

निधि वाधवा

अनिल नयाल

## आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है, जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएंगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने तथा सीखने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए, तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फ़ेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहल से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस तथा हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक विकास समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् विज्ञान एवं गणित की पाठ्यपुस्तक के सलाहकार समूह के अध्यक्ष जे.वी. नालीकर और इस पाठ्यपुस्तक के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर बी.एल. खंडेलवाल की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान दिया; इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं, जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी, जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक

नई दिल्ली  
20 दिसंबर 2005

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और  
प्रशिक्षण परिषद्



## पाठ्यपुस्तक विकास समिति

### अध्यक्ष, विज्ञान और गणित पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

जयंत विष्णु नालीकर, प्रोफेसर, अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र, खगोलविज्ञान और खगोलभौतिकी, पूना विश्वविद्यालय, पूना

### मुख्य सलाहकार

बी.एल. खंडेलवाल, प्रोफेसर (अवकाशप्राप्त), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नयी दिल्ली

### सदस्य

अलका मेहरोत्रा, रीडर, (समन्वयक, अंग्रेजी संस्करण), डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

अंजनी कौल, प्रवक्ता, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

आई.पी. अग्रवाल, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

ए.एस. बरार, प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नयी दिल्ली

एच.ओ. गुप्ता, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

एस.के.गुप्ता, रीडर, स्कूल ऑफ स्टडीज़ इन केमेस्ट्री, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

एस.के. डोगरा, प्रोफेसर, डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

जयश्री शर्मा, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

पूनम साहनी, पी.जी.टी. (रसायन विज्ञान), केन्द्रीय विद्यालय, विकासपुरी, नयी दिल्ली

मैत्रेयी चंद्रा, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

वी.के. वर्मा, प्रोफेसर (अवकाशप्राप्त), इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

वी.पी. गुप्ता, रीडर, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

शुभा केशवन, प्रधानाध्यापिका, डेमोंस्ट्रेशन स्कूल, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., मैसूर

साधना भार्गव, पी.जी.टी. (रसायन विज्ञान), सरदार पटेल विद्यालय, लोदी इस्टेट, नयी दिल्ली

सुखवीर सिंह, रीडर, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सुनीता मल्होत्रा, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ साइंसेज़, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

### सदस्य-समन्वयक

आर.के. पाराशर, प्रवक्ता, (समन्वयक, हिंदी संस्करण), डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

### हिंदी रूपांतर

आर.आर. गोयल, रीडर, रसायन विज्ञान विभाग, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

आर.के. उपाध्याय, वरिष्ठ प्रवक्ता, रसायन विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

आलोक चतुर्वेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता, रसायन विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

एस.पी. माथुर, विभागाध्यक्ष, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त रसायन विभाग, म.द.स. विश्वविद्यालय, अजमेर

डी.के. शर्मा, रीडर, रसायन विज्ञान विभाग, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

के.जी. ओझा, एसोशिएट प्रोफेसर, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त रसायन विभाग, म.द.स. विश्वविद्यालय, अजमेर

ललिता एस. कुमार, रीडर, स्कूल ऑफ साइंसेज़, इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

संजीव कुमार, रीडर, रसायन विज्ञान विभाग, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सुनीता मल्होत्रा, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ साइंसेज़, इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सुरेंद्र अरोड़ा, वरिष्ठ प्रवक्ता, रसायन विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

## आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उन सभी संस्थाओं तथा व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट करती है, जिन्होंने रसायन विज्ञान की कक्षा 11 की पाठ्यपुस्तक के विकास में अमूल्य योगदान दिया। परिषद् निम्नलिखित विद्वानों का भी आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने हिंदी पांडुलिपि के पुनरावलोकन तथा सुधार में अमूल्य योगदान दिया –

वी.एन. पाठक, प्रोफ़ेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर; बिजेंद्र सिंह, रीडर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली; दिनेश गुप्ता, रीडर, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर; जे.एल. शर्मा, रीडर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली; लक्ष्मण सिंह, रीडर, एल.आर. कॉलेज, साहिबाबाद; विनोद कुमार, रीडर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली; विजय सारदा, रीडर, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली; अरुण पारीक, प्रवक्ता, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर; अतुल कुमार शर्मा, प्रवक्ता, राजकीय महाविद्यालय, नागौर; किशोर ए. सोर्ते, प्रधानाचार्य, राजकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, निठारी, नांगलोई, नई दिल्ली; सुषमा सेतिया, प्रधानाचार्य, सर्वोदय कन्या विद्यालय, हरिनगर, दिल्ली; समीर व्यास, अनुसंधान सहायक, केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला, नई दिल्ली; अनिल कुमार शर्मा, पी.जी.टी., केंद्रीय विद्यालय, आई.एन.ए. कॉलोनी, नई दिल्ली; राजेश धामा, पी.जी.टी., केंद्रीय विद्यालय, विज्ञान विहार, दिल्ली; उपमा सिंह, विवेकानंद स्कूल, आनंद विहार, दिल्ली; पांडुलिपि के सुधार के लिए कविता शर्मा, प्रवक्ता, प्राथमिक शिक्षा विभाग; रुचि वर्मा, प्रवक्ता, पी.पी.एम.ई.डी एवं राजीव रंजन, प्रति संपादक का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

परिषद् शैक्षिक तथा प्रशासनिक सहयोग हेतु मैत्रेयी चंद्रा, अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम., एन.सी.ई.आर.टी. की भी आभारी है।

परिषद् दीपक कपूर, प्रभारी, कंप्यूटर स्टेशन इंचार्ज तथा उनके सहयोगी सुरेंद्र कुमार, डी.टी.पी. ऑपरेटर; गीता कुमारी, प्रूफ-रीडर, सहायक कार्यक्रम समन्वयक कार्यालय (डी.ई.एस.एम.), एन.सी.ई.आर.टी. के प्रशासन और प्रकाशन विभाग के सहयोग हेतु हार्दिक आभार ज्ञापित करती है।

## विषय सूची

|                                                                       |            |
|-----------------------------------------------------------------------|------------|
| आमुख                                                                  | iii        |
| <b>एकक 8 अपचयोपचय अभिक्रियाएँ</b>                                     | <b>261</b> |
| 8.1 अपचयोपचय अभिक्रियाएँ                                              | 261        |
| 8.2 इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण अभिक्रियाओं के रूप में अपचयोपचय अभिक्रियाएँ | 263        |
| 8.3 ऑक्सीकरण-संख्या                                                   | 265        |
| 8.4 अपचयोपचय अभिक्रियाएँ तथा इलेक्ट्रोड प्रक्रम                       | 275        |
| <b>एकक 9 हाइड्रोजन</b>                                                | <b>281</b> |
| 9.1 आवर्त सारणी में हाइड्रोजन का स्थान                                | 281        |
| 9.2 डाइहाइड्रोजन                                                      | 282        |
| 9.3 डाइहाइड्रोजन बनाने की विधियाँ ( $H_2$ )                           | 282        |
| 9.4 डाइहाइड्रोजन के गुण                                               | 283        |
| 9.5 हाइड्राइड                                                         | 285        |
| 9.6 जल                                                                | 286        |
| 9.7 हाइड्रोजन परॉक्साइड ( $H_2O_2$ )                                  | 290        |
| 9.8 भारी जल, $D_2O$                                                   | 292        |
| 9.9 डाइहाइड्रोजन ईंधन के रूप में                                      | 292        |
| <b>एकक 10 s-ब्लॉक तत्व</b>                                            | <b>297</b> |
| 10.1 वर्ग 1 के तत्व: क्षार धातुएँ                                     | 298        |
| 10.2 क्षार धातुओं के यौगिकों के सामान्य अभिलक्षण                      | 301        |
| 10.3 लीथियम का असंगत व्यवहार                                          | 302        |
| 10.4 सोडियम के कुछ महत्वपूर्ण यौगिक                                   | 302        |
| 10.5 सोडियम एवं पोटैशियम की जैव उपयोगिता                              | 304        |
| 10.6 वर्ग 2 के तत्व: क्षारीय मृदा धातुएँ                              | 304        |
| 10.7 क्षारीय मृदा धातुओं के यौगिकों के सामान्य अभिलक्षण               | 307        |
| 10.8 बेरीलियम का असंगत व्यवहार                                        | 308        |
| 10.9 कैल्सियम के कुछ महत्वपूर्ण यौगिक                                 | 309        |
| 10.10 मैग्नीशियम व कैल्सियम की जैव महत्ता                             | 310        |
| <b>एकक 11 p-ब्लॉक तत्व</b>                                            | <b>314</b> |
| 11.1 समूह-13 के तत्व : बोरॉन परिवार                                   | 316        |
| 11.2 बोरॉन की प्रवृत्ति तथा असंगत व्यवहार                             | 319        |
| 11.3 बोरॉन के कुछ महत्वपूर्ण यौगिक                                    | 319        |
| 11.4 बोरॉन, ऐलुमीनियम तथा इनके यौगिकों के उपयोग                       | 321        |
| 11.5 समूह-14 के तत्व : कार्बन परिवार                                  | 321        |
| 11.6 कार्बन की महत्वपूर्ण प्रवृत्तियाँ एवं असामान्य व्यवहार           | 324        |
| 11.7 कार्बन के अपररूप                                                 | 325        |
| 11.8 कार्बन तथा सिलिकन के प्रमुख यौगिक                                | 326        |
| <b>एकक 12 कार्बनिक रसायन : कुछ आधारभूत सिद्धांत तथा तकनीकें</b>       | <b>334</b> |
| 12.1 सामान्य प्रस्तावना                                               | 334        |

|                    |                                                          |            |
|--------------------|----------------------------------------------------------|------------|
| 12.2               | कार्बन की चतुर्संयोजकता : कार्बनिक यौगिकों की आकृतियाँ   | 335        |
| 12.3               | कार्बनिक यौगिक का संरचनात्मक निरूपण                      | 336        |
| 12.4               | कार्बनिक यौगिकों का वर्गीकरण                             | 338        |
| 12.5               | कार्बनिक यौगिकों की नामपद्धति                            | 340        |
| 12.6               | समावयवता                                                 | 347        |
| 12.7               | कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि में मूलभूत संकल्पनाएँ | 348        |
| 12.8               | कार्बनिक यौगिकों के शोधन की विधियाँ                      | 356        |
| 12.9               | कार्बनिक यौगिकों का गुणात्मक विश्लेषण                    | 361        |
| 12.10              | मात्रात्मक विश्लेषण                                      | 363        |
| <b>एकक 13</b>      | <b>हाइड्रोकार्बन</b>                                     | <b>373</b> |
| 13.1               | वर्गीकरण                                                 | 374        |
| 13.2               | एल्केन                                                   | 374        |
| 13.3               | एल्कीन                                                   | 384        |
| 13.4               | एल्काइन                                                  | 392        |
| 13.5               | ऐरोमैटिक हाइड्रोकार्बन                                   | 396        |
| 13.6               | कैसरजन्य गुण तथा विषाक्तता                               | 403        |
| <b>एकक 14</b>      | <b>पर्यावरणीय रसायन</b>                                  | <b>406</b> |
| 14.1               | पर्यावरण-प्रदूषण                                         | 406        |
| 14.2               | वायुमंडलीय प्रदूषण                                       | 407        |
| 14.3               | जल-प्रदूषण                                               | 414        |
| 14.4               | मृदा-प्रदूषण                                             | 416        |
| 14.5               | औद्योगिक अपशिष्ट                                         | 417        |
| 14.6               | पर्यावरण-प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय               | 417        |
| 14.7               | हरित रसायन (ग्रीन केमिस्ट्री)                            | 418        |
| <b>उत्तरमाला</b>   |                                                          | <b>422</b> |
| <b>अनुक्रमणिका</b> |                                                          | <b>426</b> |

## विषय सूची

### रसायन विज्ञान भाग 1

|             |                                               |     |
|-------------|-----------------------------------------------|-----|
| एकक 1       | रसायन विज्ञान की कुछ मूल अवधारणाएँ            | 1   |
| एकक 2       | परमाणु की संरचना                              | 28  |
| एकक 3       | तत्वों का वर्गीकरण एवं गुणधर्मों में आवर्तिता | 73  |
| एकक 4       | रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना              | 100 |
| एकक 5       | द्रव्य की अवस्थाएँ                            | 136 |
| एकक 6       | ऊष्मागतिकी                                    | 158 |
| एकक 7       | साम्यावस्था                                   | 189 |
| परिशिष्ट    |                                               | 235 |
| उत्तरमाला   |                                               | 253 |
| अनुक्रमणिका |                                               | 257 |